GENERAL STUDIES (Module – 5)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19 (N-M)–M–**GS15**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** * 7102

Center & Date: Delhi & 29/07/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1134510

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. भारत में रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षेत्र को कौन-सी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? हाल के दिनों में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये किये गए उपायों को गिनाइये। (150 शब्द) 10

What are the challenges facing the logistics sector in India? Enumerate the measures taken in recent times for giving a boost to this sector. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लॉजिस्टिक्स क्षेत्र किसी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए अतिमहत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह उत्पादक एवं → उपभोक्ता के बीच एक कड़ी का कार्य करता है।

चुनौतियाँ

→ अवसंरचनात्मक :- लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या, अवसंरचनात्मक ढाँचे का विकास नहीं होना है। भारत में पर्याप्त मात्रा में cold storage, wave house, Fridged Truck आदि का अभाव है।

→ तकनीकी :- तकनीकी पर विदेशी निर्भरता का होना भी बड़ी चुनौती है।

→ वित्तीय :- लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में वित्तपोषण का अभाव है। साथ ही विदेशी निवेश (FDI) को आकर्षित नहीं कर पा रहा है।

→ मानव संसाधन :- कुशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ावा देने के उपाय

→ सरकार द्वारा वित्त की कमी दूर करने हेतु तथा अवसंरचनात्मक ढाँचे के विकास के लिए इसे उद्योग का दर्जा प्रदान किया है, जिससे ऋण मिलने में सुविधा होगी।

→ सरकार द्वारा मेगा फूड पार्क योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना आदि के द्वारा इसमें निवेश आकर्षित किया जा रहा है।

→ e-NWR के द्वारा ware house में बिना सामान ट्रांसफर के लाभ प्राप्त संभव है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि लॉजिस्टिक क्षेत्र के बढ़ते महत्व को देखते हुये सरकार ने इसके विकास के लिए प्रभावी कदम उठाये है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. शैडो बैंकिंग प्रणाली से आपका क्या अभिप्राय है? वर्तमान में भारत की शैडो बैंकिंग प्रणाली को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (150 शब्द) 10

What do you mean by shadow banking system? What are the challenges faced by India's shadow banking system at present? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शैडो बैंकिंग प्रणाली से तात्पर्य बिना बैंकिंग अवसंरचना के बैंक साथी के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है।

चुनौतियां

→ पर्याप्त मानव संसाधन का अभाव - बैंकों के पास पर्याप्त मात्रा में प्रशिक्षित मानव संसाधनों की कमी है, जो बैंक साथी के रूप में कार्य कर सके।

→ वित्त की कमी - वर्तमान में अधिकांश बैंक NPA की समस्या तथा बेसल मानकों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जूझ रहे हैं।

→ जनता में जागरूकता का अभाव - अशिक्षा तथा जागरूकता के कारण जनता बैंक साथी के साथ वित्तीय लेनदेन में संकोच करती है।

इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा केवल लाभ पर ध्यान दिये जाने के कारण सार्वजनिक क्षेत्र पर दबाव की स्थिति है। जिससे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन्हें अधिक मात्रा में निवेश करना पड़ रहा है।

आगे की राह

→ सरकार द्वारा इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

→ ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त जागरूकता का संचार किया जाना चाहिए। इसके लिए नुक्कड़ नाटक, मीडिया की सहायता ली जा सकती है।

→ चूंकि वित्तीय समावेशन का होना एक अनिवार्यता के समान है। अतः इस दिशा में प्रयास किये जाने चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. भूमि उत्पादकता की बजाय सिंचाई जल उत्पादकता को प्राथमिकता देने की अपनी कुछ चुनौतियाँ हैं, जिन पर वर्तमान में ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Shifting of priority from land productivity to irrigation water productivity has its own set of challenges which need to be addressed in time. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में कुल जल का लगभग 80% तथा भूमिगत जल का 89% सिंचाई में उपयोग किया जाता है किन्तु इसकी उत्पादकता कम है।

ऐसे में गंभीर जल संकट के दौर में सिंचाई जल उत्पादकता अपनाना समय की मांग है किन्तु इसमें अनेक चुनौतियाँ है।

चुनौतियाँ

→ **किसानों की समस्याएं :-**

- अधिकांश किसानों के पास पर्याप्त धन की उपलब्धता नहीं है, जो फव्वारा सिंचाई अथवा ड्रिप सिंचाई के लिए आवश्यक उपकरण खरीद सके।
- भूमि का अलग-अलग जगह होना (अपखंडन) एवं जोत का छोटा आकार।
- ग्रामीण भारत में लगभग 56% किसान परिवार भूमिहीन है, जो काश्तकारी के स्थापित्व के अभाव में इस तरह का निवेश नहीं कर पाते।
- जीवन निर्वहन कृषि को महत्व देना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ संगठनात्मक चुनौतियाँ-
- पर्याप्त मात्रा में वित्त पोषण का अभाव
- स्वदेशी तकनीकी का अभाव।

आगे की राह

→ किसानों को ICT के माध्यम से नवीन तकनीकी की जानकारी ~~प्रदान~~ प्रदान की जाये।

→ किसान विज्ञान केन्द्र द्वारा किसानों को नवीन तकनीकी अपनाने के लिए प्रोत्साहन तथा प्रशिक्षण प्रदान किया जाये।

→ भूमि सुधारों को लागू किया जाये ताकि उपविभाजन तथा अपखंडन जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. मॉडल कृषि भूमि पट्टेदारी अधिनियम 2016 के प्रमुख प्रावधान क्या हैं? यह भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में कैसे सहायता प्रदान कर सकता है? (150 शब्द) 10

What are the key provisions of Model Agricultural Land Leasing Act 2016? How it can help in enhancing farm productivity in India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में लगभग 85% किसान लघु एवं सीमान्त है, जिससे कृषि जीवन निर्वहन रूप धारण कर लेती है। ऐसे में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित मॉडल कृषि भूमि पट्टेदारी अधिनियम, 2016 लाया गया।

अनुबंधित कृषि

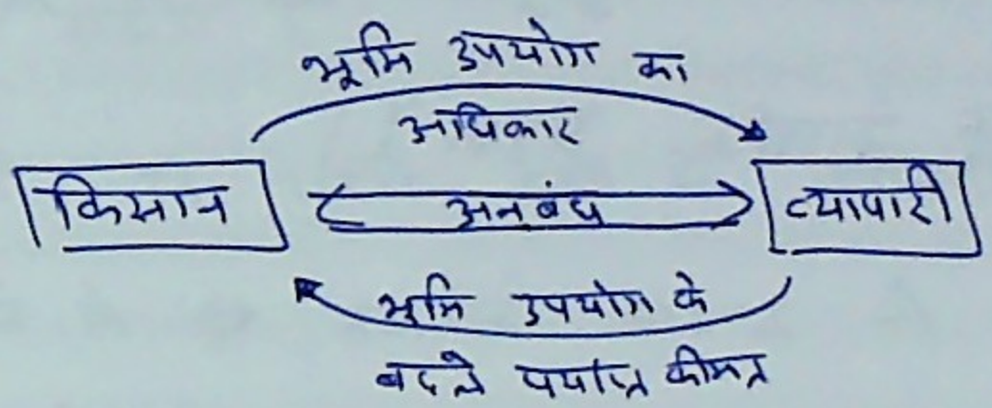

अधिनियम के प्रावधान

↳ अनुबंधित कृषि से संबंधित मुद्दों को चिह्नित किया गया है।

→ पर्याप्त दिशा निर्देश दिये गये है।

→ राज्य सरकारों को नीतियां लागू करने के लिए संशोधन का विकल्प।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृषि उत्पादकता बढ़ाने में लाभ

→ भूमि के अपखंडन एवं छोटे खेत की समस्या का समाधान।

→ निजी क्षेत्र द्वारा निवेश को बढ़ावा।

→ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की समस्याओं को दूर करने का प्रयास।

इस प्रकार स्पष्ट है कि यह अधिनियम किसानों की आय को दुगुना करने के लक्ष्य की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत के पहले मानव अंतरिक्षयान कार्यक्रम 'गगनयान' के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। साथ ही उन महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का भी विस्तृत वर्णन कीजिये जिन्हें भारत ने 'गगनयान' के लिये विकसित किया है। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Discuss the objectives and significance of India's maiden human spaceflight programme– 'Gaganyaan'. Also, enumerate the critical technologies India has developed for Gaganyaan. (150 words) 10

ISRO का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'गगनयान' 2022 तक मानव को अंतरिक्ष में भेजना है।

उद्देश्य

→ इससे अंतरिक्ष क्षेत्र में भविष्य में अन्य ग्रहों पर अनुसंधान के लिए मानव भेजने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

→ भारत को उन चुनिंदा देशों में सम्मिलित करना, जो स्वयं के ⇔ तकनीकी कौशल से अंतरिक्ष में पहुँचे हैं।

→ तकनीकी प्रदर्शन करना

महत्व

→ GSLV-MkIII द्वारा किया जाने वाला यह कार्यक्रम अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की पहुँच मजबूत करेगा, जिससे प्रक्षेपण यान में आत्मनिर्भरता की स्थिति प्राप्त होगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ इससे भविष्य में अंतरिक्ष पर्यटन की संभावनाओं का दोहन किया जा सकेगा।

→ ISRO का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ने से विदेशी प्रक्षेपण से आय की प्राप्ति होगी।

प्रौद्योगिकियाँ जो विकसित की गई

① GSLV-MK III के लिए स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन।

② अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापसी के लिए CARE (क्रू माड्यूल)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. व्यावहारिक अर्थशास्त्र भारत में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हेतु एक महत्त्वपूर्ण साधन प्रदान कर सकता है। व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Behavioural economics can provide a valuable instrument for socio-economic change in India. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल में व्यावहारिक अर्थशास्त्र के लिए सिद्धांत प्रतिपादित करने वाले अर्थशास्त्री को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया।

व्यावहारिक अर्थशास्त्र भारत में सामाजिक - आर्थिक परिवर्तन हेतु एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उदाहरण

① 'बेटी बचाओं - बेटी पढाओं' अभियान को सफल बनाने के लिए संस्थागत प्रसव के लिए धनराशि प्रदान करना, बेटी की शिक्षा के लिए विभिन्न योजनाएँ, भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना, selfie with daughter आदि कार्यक्रमों द्वारा लोगों की अभिवृत्ति परिवर्तित की गई।

② वित्तीय समावेशन के लिए पहले बैंकों तक लोगों की पहुँच सुलभ की गई, तत्पश्चात् उन्हें

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बीमा सुविधा, ओवर ड्राफ्ट जैसे प्रोत्साहन दिये। इससे सरकार के लीकेज में कमी हुई।

③ कर अनुपालना में वृद्धि करने के लिए पहले कर नियमों को आसान बनाया जाये। ताकि लोगों तक पहुंच बढ़े। तत्पश्चात् उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रोत्साहन द्वारा दायरे में लाया जाये।

सारांशतः स्पष्ट है कि व्यावहारिक अर्थशास्त्र के माध्यम से लोगों की अभिवृद्धि में परिवर्तन कर, सामाजिक- आर्थिक विकास को नवीन दिशा प्रदान की जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. आभासी मुद्राओं द्वारा प्रदत्त लाभ विवाद योग्य हो सकते हैं परंतु उनमें अंतर्निहित प्रौद्योगिकी में निश्चित रूप से उज्ज्वल संभावनाएँ समाहित हैं। विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

The benefits offered by virtual currencies may be debatable but the underlying technology behind them is certainly having bright prospects. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आभासी मुद्राएँ वर्तमान में लेन देन में प्रयुक्त की जा रही है किन्तु उनका लेन देन किसी केन्द्रीकृत बैंक द्वारा वैद्य नहीं है।

क्रिप्टोकरेंसी के विवाद

→ धनशोधन में प्रयुक्त

→ टेरर फंडिंग

→ डार्कनेट ट्रेडिंग (अवैद्य व्यापार)

किन्तु इसमें प्रयुक्त Block-chain तकनीकी का प्रयोग अन्य क्षेत्रों में संभव है।

Block-chain के लाभ -

→ सूचनाओं का तीव्र संचार।

→ गोपनीय सूचनाओं को सुरक्षित रखना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. विधिक प्रणाली को सुदृढ़ करना भारतीय नीति-निर्माताओं द्वारा किया जा सकने वाला सर्वोत्तम निवेश हो सकता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening the legal system may be the best investment Indian policymakers can make. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी कल्याणकारी राज्य का प्रमुख कार्य विधि के शासन को बनाये रखते हुये जनता तक सुविधाओं की पहुँच सुनिश्चित करना।

वर्तमान में विधिक प्रणाली में अनेक कमियाँ उपस्थित है, जिसके कारण जनता तक लाभ नहीं पहुँच पाता।

→ नियमों की जटिल प्रकृति।

→ जन जागरूकता का अभाव। इससे सूचना असंतुलन बढ़ता है।

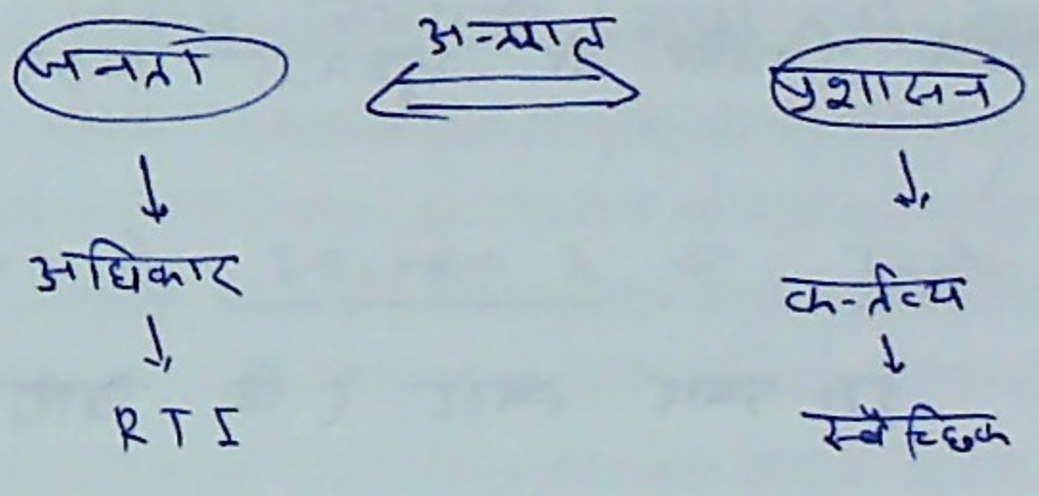

→ पब्लिक ग्रिवेंस रिड्रेसल का मजबूत नहीं होना।

→ लालफीताशाही तथा भ्रष्टाचार।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विधिक प्रणाली को सुदृढ़ करने के लाभ

→ पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

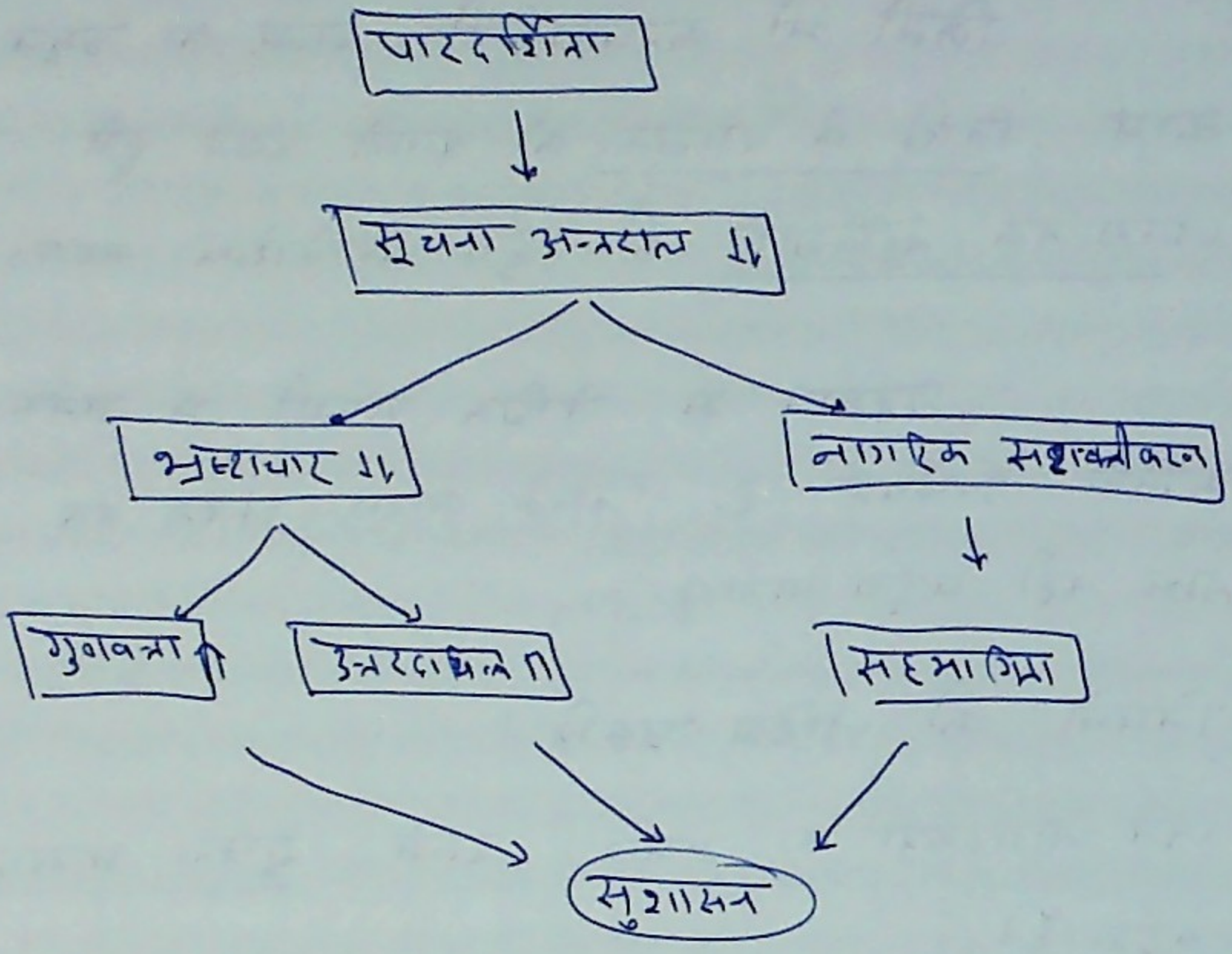

→ कि ~~FDI~~ नियमों की सुगमता FDI को आकर्षित करेगी।

•

इस प्रकार स्पष्ट है कि विधिक प्रणाली में सुधार सुशासन की ओर एक कदम बढ़ाने के समान है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत जैसी आकांक्षी अर्थव्यवस्था सरकार तथा केंद्रीय बैंक के बीच टकराव को सहन नहीं कर सकती है। इस संबंध में हाल की विकास गतिविधियों के संदर्भ में चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

An aspiring economy like India can ill afford a tussle between the government and the central bank. Discuss in the context of recent developments. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी राष्ट्र के केन्द्रीय बैंक एवं केन्द्र सरकार के मध्य सहज समन्वय आवश्यक होता है क्योंकि नीति निर्माण एवं विकास में दोनो की भूमिका प्रमुख होती है।

टकराव के कारण

→ सरकार द्वारा ब्याज दरों को कम करने के लिए RBI पर दबाव डालना।

→ लाभांश का हस्तान्तरण करने के लिए टकराव।

→ बैंकों को विशेष निगरानी सूची से बाहर करना।

→ RBI Act के Section 7 का उपयोग

प्रभाव

→ RBI द्वारा ब्याज दर कम नहीं करने के कारण MSME को ऋण प्राप्ति में कठिनाई होना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ RBI की स्वायत्तता को कम करने के प्रयास से विदेशी निवेश प्रभावित होना।

चूंकि भारत जैसे राष्ट्र के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, मुद्रास्फीति को निम्न बनाये रखते हुये, उच्च विकास की ओर बढ़ना।

ऐसे में RBI तथा सरकार के मध्य समन्वय ही वित्तीय नीति के बेहतर क्रियान्वयन को सफल बना सकता है।

अतः आवश्यकता है, दोनों पक्षों के मध्य समन्वय की, ताकि आर्थिक विकास के साथ मानव विकास सुनिश्चित किया जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. संभावित साइबर हमलों के विरुद्ध भारत की तैयारी का मूल्यांकन कीजिये। इस संकट को रोकने के लिये किये जा सकने वाले कुछ संरक्षोपाय सुझाइये। (150 शब्द) 10

Evaluate India's preparedness against potential cyber attacks. Suggest measures that should be taken to tackle this threat. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साइबर स्पेस को नुकसान पहुँचाने की दृष्टि से किये गये प्रयास, साइबर हमलों की श्रेणी में आते हैं।

भारत साइबर हमलों की दृष्टि से एक संवेदनशील राष्ट्र है। ऐसे में भारत द्वारा एक प्रभावी तैयारी की गई है।

सरकार के प्रयास

① विधिक
- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, 2013

② संस्थागत
- महत्वपूर्ण सूचना की रक्षा के लिए NCSIPC का गठन।
- गृह मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय साइबर समन्वय केन्द्र (NCCC) का गठन।
- Meity के अन्तर्गत CERT-IN का गठन।
- निजी क्षेत्र के साथ मिलकर साइबर सुरक्षित भारत पहल

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्तर्राष्ट्रीय

→ द्विपक्षीय समझौते। Ex- अमेरिका के साथ

→ बुडापेस्ट कन्वेंशन पर हस्ताक्षर।

प्रभावी उपाय

→ रक्षात्मक की बजाय आक्रामक रणनीति अपनाना।

→ विदेशी उपकरणों की प्रभावी जाँच।

→ डाटा औपनिवेशीकरण से निपटना।

→ प्रत्येक वेबसाइट के लिए साइबर ऑडिटिंग की व्यवस्था।

सारांशतः कहा जा सकता है कि वर्तमान में डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के साथ सफल बनाने के लिए साइबर सुरक्षा अति-आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. पिछले दो दशकों में भारत के उत्कृष्ट विकास के बावजूद निम्न भुगतान तथा वेतन असमानता समावेशी विकास को प्राप्त करने की राह में महत्त्वपूर्ण बाधाएँ बनी हुई हैं। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite India's outstanding growth in the last two decades, low pay and wage inequality remain serious obstacles towards achieving inclusive growth. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण, उदारीकरण तथा निजीकरण जैसे आर्थिक सुधारों ने भारत को निम्न वृद्धि ट्रैप से निकालकर सर्वाधिक वृद्धि वाला राष्ट्र बनाया।

उत्कृष्ट विकास की स्थिति

→ भारत की प्रति व्यक्ति आय 11 हजार से बढ़कर वर्तमान में एक लाख को पार कर गई है।

→ विदेशी निवेश आकर्षित करने में अग्रणी राष्ट्र

→ विदेशी मुद्रा भंडार 400 बिलियन डॉलर से अधिक

→ विदेशी निर्यात में वृद्धि।

चुनौतियाँ

① निम्न भुगतान :- नीति आयोग के अनुसार भारत की मूल समस्या बेरोजगारी की नहीं बल्कि अल्प रोजगार है। इसके कारण पलायन, पर्याप्त ~~निवेश~~ आय एवं वेतन का अभाव, पर्याप्त निवेश नहीं हो पाना, जैसी चुनौतियों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामना करना पड़ता है।

मुख्यतः असंगठित क्षेत्र में रोजगार की अधिकता के बावजूद निम्न भुगतान गरीबी दुश्चक्र की निरन्तरता का कारण है।

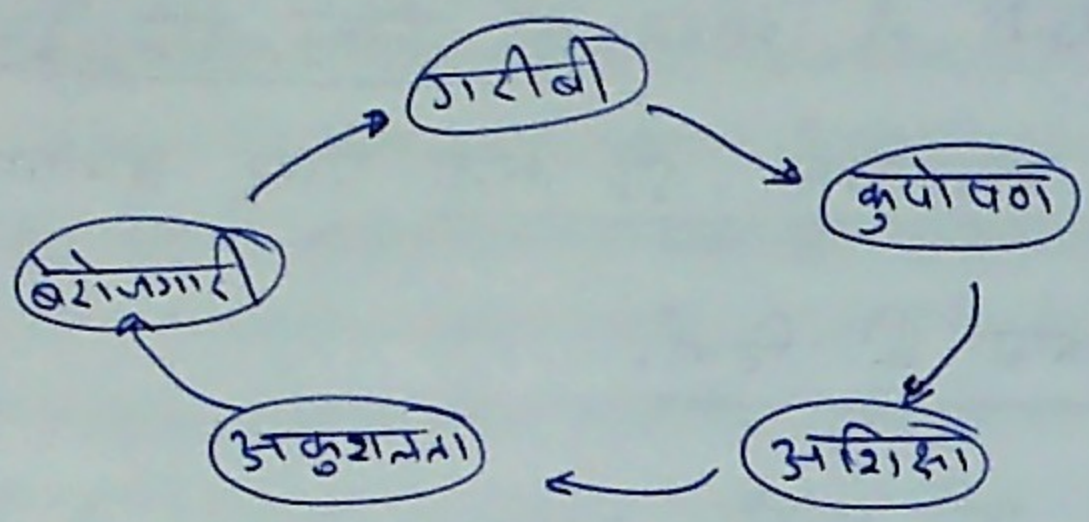

② <u>वेतन असमानता</u> - भारतीय संविधान में समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान है किन्तु व्यावहारिक स्तर पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में केवल <u>50-60%</u> ही वेतन की प्राप्ति होती है।

इससे अनेक प्रभाव सामने आते है-

→ आर्थिक निर्भरता

→ FLPR का कम होना।

→ कार्यस्थल पर यौन शोषण।

→

<u>जेंडर गैप इंडेक्स, 2018</u> में भारत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को आर्थिक सहभागिता में 149 देशों में 145 वें पायदान पर है, जो वेतन असमानता एवं निम्न भुगतान की गंभीर स्थिति को दर्शाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आगे की राह

→ संवैधानिक उपबंधों को कठोरता से लागू किया जाये।

→ ~~समावेशी विकास वाले~~

→ लैंगिक समानता वाले संस्थानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

→ आर्थिक विकास को समावेशी विकास से संबद्ध किया जाये।

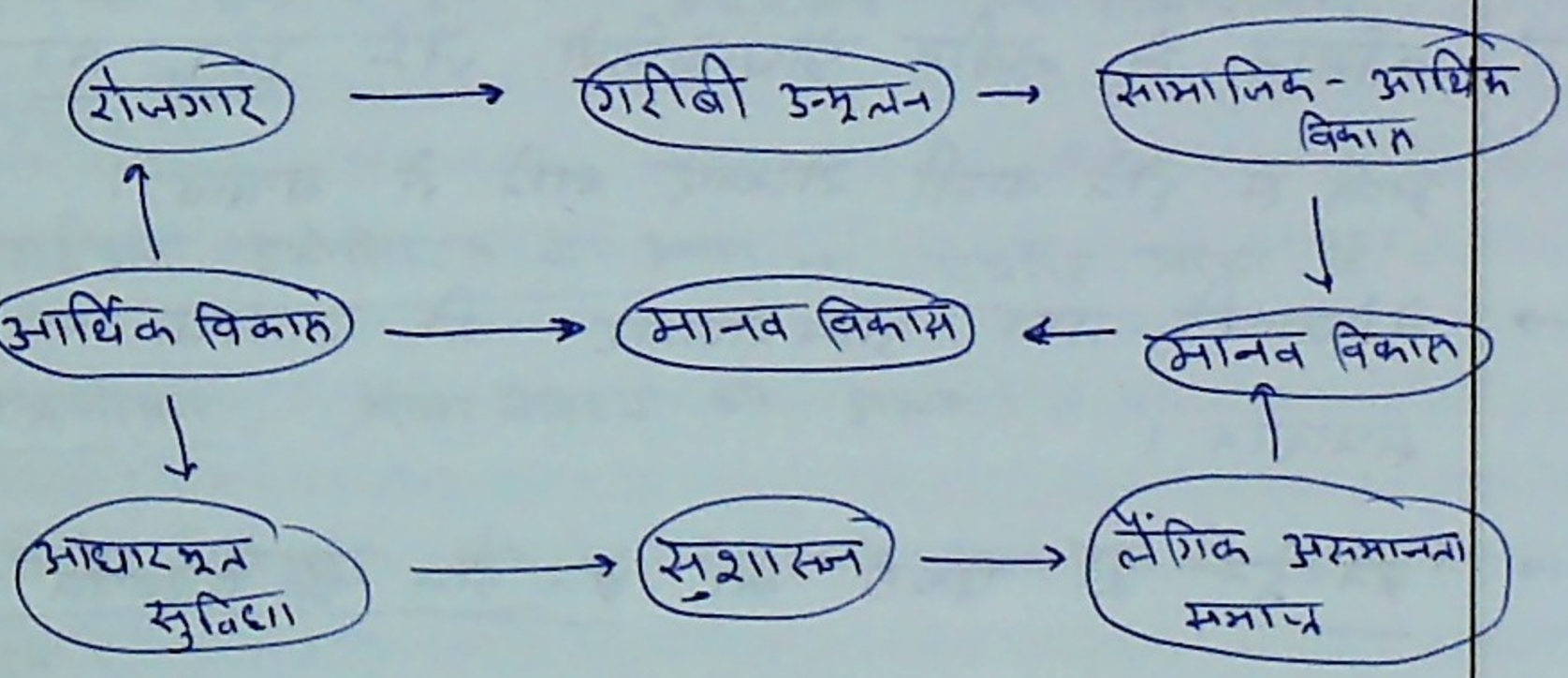

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

12. क्या भारत के बदलते रोज़गार परिदृश्य में देश के युवाओं को रोज़गार इच्छुक से रोज़गार सृजक में परिवर्तित करना संभव है? इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये सरकार द्वारा कौन-से कदम उठाए गए हैं?

(250 शब्द) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Is it possible to transform India's youth from job seekers to job creators in the changing job scenario in India? What steps have been taken by the government to attain this objective?

(250 words) 15

विश्व बैंक के अनुसार 2005 से 2012 के मध्य भारत में केवल 3 मिलियन रोजगार सृजित हुये जबकि आवश्यकता 13 मिलियन प्रतिवर्ष की थी।

ऐसे में बेरोजगारी तथा अल्प रोजगार जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर में परिवर्तित करना आवश्यक है।

लाभ

→ वर्तमान में नवीन प्रौद्योगिकियों जैसे IOT, AI आदि से होने वाली रोजगार क्षति से बचाव।

→ बेरोजगारी तथा अल्प रोजगार की समस्या का समाधान।

→ ब्रेन ड्रेन की स्थिति को ब्रेन गेन में परिवर्तन

→ आर्थिक विकास को तीव्रतर करने में सहायता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

मिलेगी।

→ युवाओं की रचनात्मकता का लाभ प्राप्त होगा।

→ भविष्य की कंपनियों का सृजन वर्तमान स्टार्टअप से ही होगा।

→ तकनीकी पर विदेशी निर्भरता समाप्त।

चुनौतियाँ

→ <u>मानव संसाधन</u> → एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के लगभग आधे इंजीनियर गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरते।

→ <u>निजी क्षेत्र द्वारा प्रोत्साहन नहीं</u> → निजी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा की स्थिति एवं <u>ट्विन बैलेंस शीट</u> समस्या।

→ <u>जटिल श्रम कानून</u> → स्टार्टअप पर नकारात्मक प्रभाव।

→ <u>स्टार्टअप इकोसिस्टम का अभाव</u> → पर्याप्त मात्रा में <u>वित्तपोषण</u>, वेंचर कैपिटल का अभाव।

→ <u>प्रशिक्षित कौशल नहीं</u> :- विश्व के अन्य देशों की तुलना में कम।

देश	दक्षिण कोरिया	जापान	USA	India
प्रशिक्षित मानव	96%	80%	52%	5.4%

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सरकार के प्रयास

→ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना → औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए।

→ स्टार्टअप इंडिया → युवाओं को स्टार्टअप इकोसिस्टम प्रदान करना।

→ स्टैंडअप इंडिया - SC/ST समुदाय में उद्यमिता का विकास करना।

→ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना → पर्याप्त मात्रा में ऋण की सुविधा।

→ भारतीय कौशल संस्थान -

→ अटल इनोवेशन मिशन

निष्कर्ष: कहा जा सकता है कि राष्ट्र का विकास युवाओं के द्वारा ही संभव है। अतः डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ लेने के लिए सरकार को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के संबंध में भारत को कौन-सी नीति तथा शासन संबंधी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? इन बाधाओं को संबोधित करने हेतु कुछ विशेष उपायों का सुझाव दीजिये। (250 शब्द) 15

What are the policy and governance constraints faced by India in doubling farmers' income by 2022? Suggest few specific measures to address these constraints. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत सरकार द्वारा किसानों की स्थिति में सुधार करने तथा कृषि क्षेत्र का GDP में योगदान बढ़ाने के लिए 2022 तक आय को दुगुना करने का लक्ष्य रखा है।

किये गये प्रयास

(1) अवसंरचनात्मक :- किसानों तक पर्याप्त सिंचाई सुविधा के लिए PMKSY, सड़क कनेक्टीविटी के लिए PMGSY, खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए ~~PMFSY~~ PMKSY को लागू किया है।

(2) तकनीकी एवं वित्तीय :- नवीन तकनीकों पर अनुसंधान, किसान विज्ञान केन्द्र, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी एवं संबद्ध क्षेत्रक का विकास

(3) पर्याप्त MSP प्रदान करना।

(4) लागत कम करने के लिए गोबरधन योजना, कुसुम योजना, किसान सम्मान निधि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ उचित मूल्य प्राप्ति के लिए ई-नाम, ग्रामीण हाट बाजार का विकास, PM-AASHA आदि।

चुनौतियाँ

① कृषि राज्य सूची का विषय होने के कारण स्थिति स्पष्ट नहीं है और केन्द्र सरकार के प्रयासों का पूर्णत: लाभ किसान तक नहीं पहुँच पाता।

② किसानों की आय दुगुना करना तथा मुद्रास्फीति को कम बनाये रखना के मध्य द्वंद्व की स्थिति।

③ भूमि सुधारों का लागू नहीं हो पाना।

④ किसानों तक प्रशासन की पहुँच नहीं हो पाना जिससे जानकारी का अभाव।

⑤ MSP का लाभ केवल 6% किसानों को ही मिल पाता है।

⑥ लघु एवं सीमान्त किसानों की अधिकता।

⑦ तकनीकी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना किन्तु 52% किसान परिवार ऋणग्रस्त है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उपाय

→ राज्यों द्वारा APMC एक्ट के स्थान पर APLM एक्ट को अपनाना।

→ अनुबंधित कृषि को प्रोत्साहित करना।

→ लागत कम करने के लिए जैविक कृषि को प्रोत्साहित करना।

→ किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलें उत्पादित करने के लिए प्रोत्साहित करना, ताकि निर्यात द्वारा अधिक लाभ।

→ ICT का बेहतर प्रयोग करना। किसान कॉल सेंटर, किसान विज्ञान केन्द्र द्वारा आपदाओं की पूर्व जानकारी।

इस प्रकार स्पष्ट है कि केन्द्र तथा राज्य के मध्य आपसी संवाद इस मोर्चे तथा शासन संबंधी चुनौती को दूर कर सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के उद्देश्य को लक्षित करने के लिये बचत, निवेश एवं निर्यात का एक सुदृढ़ चक्र अतिआवश्यक है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

To achieve the objective of becoming a USD 5 trillion economy, a virtuous cycle of savings, investment and exports is required. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में बजट में भारत को पाँच वर्षों में 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

5 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त निवेश के द्वारा विकास की आवश्यकता है। इसके लिए एक विकास चक्र को लक्षित करने की आवश्यकता है।

विकास चक्र एवं वर्तुलाकार संवृद्धि

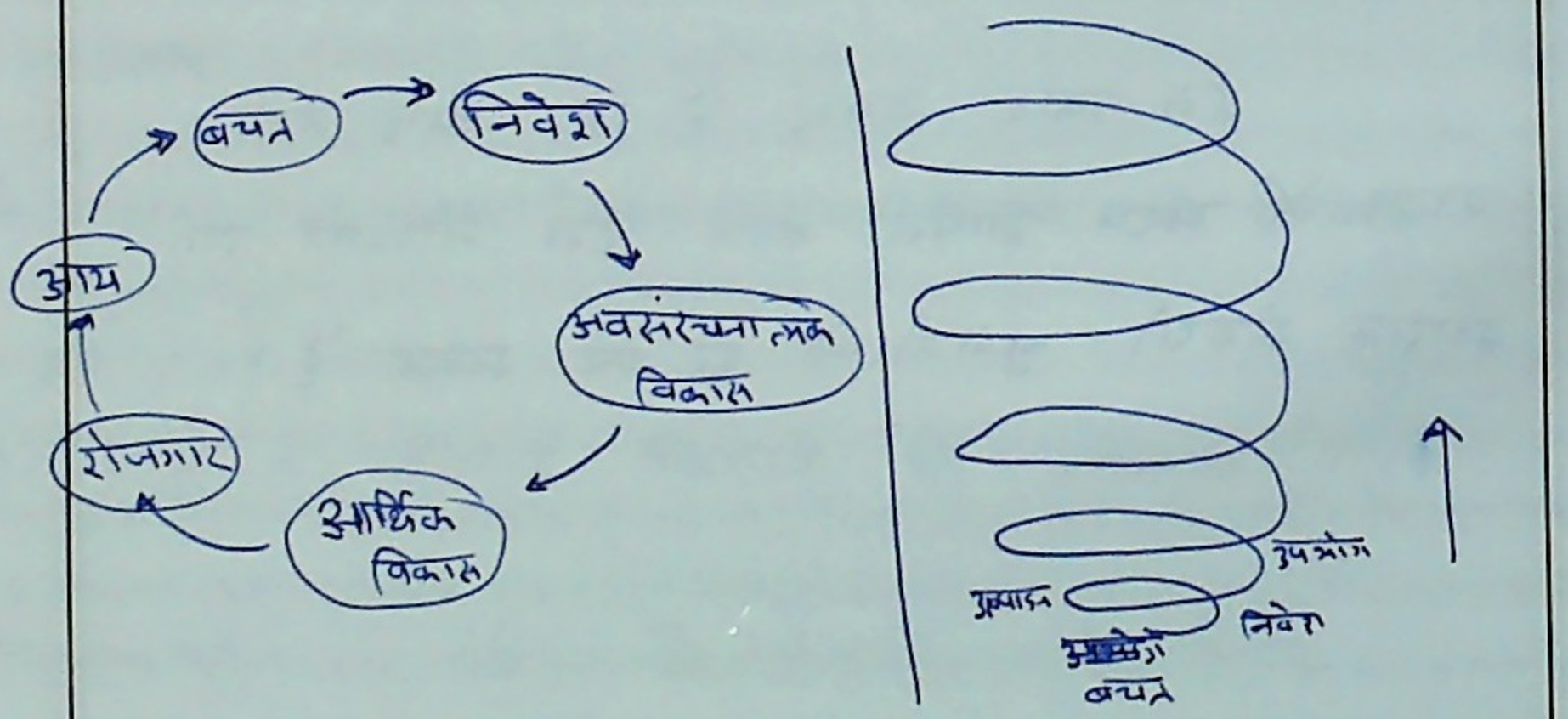

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू निवेश सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। घरेलू निवेश नागरिकों द्वारा की गई बचत के समानुपाती होता है।

नागरिकों की बचत उनकी आय के समानुपाती होती है। नागरिकों की आय राष्ट्रीय आय पर निर्भर करती है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि करने के लिए ~~उपभोग को~~ उत्पादन एवं उपभोग में वृद्धि आवश्यक है।

अतिरिक्त उत्पादन का निर्यात कर उससे प्राप्त आय का निवेश कर पुनः उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।

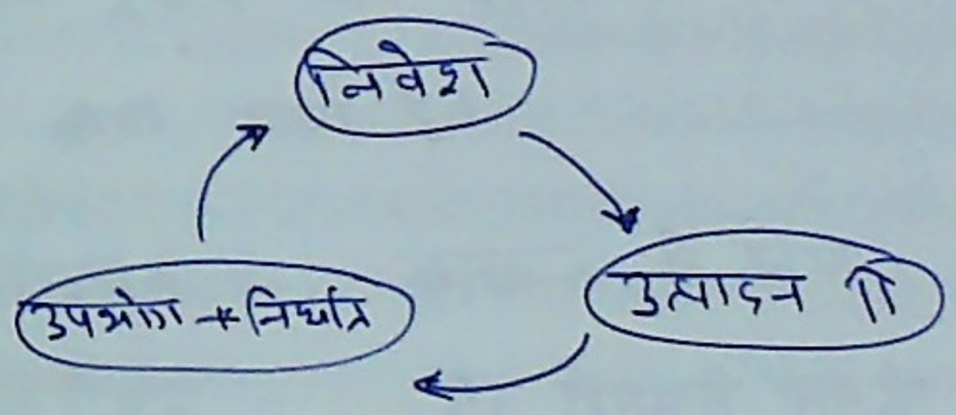

सरकार द्वारा किये गये प्रयास

→ जन धन योजना के माध्यम से वित्तीय समावेशन द्वारा लीकेज में कमी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ सुकन्या समृद्धि खाता योजना।

→ MSME क्षेत्र को ऋण सुविधा (1 मिनट में एक करोड़ का लोन)

→ ~~क्षेत्र स्पेसिफिक~~ सेक्टर स्पेसिफिक विकास योजनाएँ

→ मानव संसाधन का विकास करना।

→ विदेशी निवेश (FDI) को प्रोत्साहित करना।

इस प्रकार स्पष्ट है कि विकास एक प्रक्रिया की भाँति है, जिसमें बचत व निवेश के द्वारा उत्पादन में वृद्धि कर निर्यात संभव है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018 की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिये। साथ ही किस प्रकार यह नीति भारतीय जैव ईंधन नीति के पूर्व संस्करण का उन्नत प्रारूप है, का परीक्षण भी कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the salient features of the National Policy on Biofuels 2018. Also, examine how this policy is an improvement over the earlier biofuel policy of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सतत विकास लक्ष्यों (SDG-7) की प्राप्ति एवं पेरिस सम्मेलन के INDC की प्राप्ति के लिए भारत सरकार द्वारा जैव ईंधन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

जैव ईंधन को प्राथमिकता देते हुये सरकार द्वारा 2018 में राष्ट्रीय नीति जारी की गई।

विशेषताएँ -

→ इसमें जैव ईंधन को स्रोत के आधार पर तीन भागों में बाँटा गया है।

- प्राथमिक - खाद्यान्न से प्राप्त
- द्वितीयक - गैर खाद्यान्न फसलों से प्राप्त
- तृतीयक - शैवालों से प्राप्त

→ जैव ईंधन पर शोध एवं अनुसंधान के लिए पर्याप्त वित्त की व्यवस्था की गई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

→ अपशिष्ट खाद्य तेलों से जैव ईंधन बनाये जाने को भी सम्मिलित किया गया है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[illegible] चाहिये।
(Candidate must [illegible] write on this marg[illegible]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

16. भारतीय शहरों में न्यून-कार्बन परिवहन प्रणाली की आवश्यकता तथा चुनौतियों पर चर्चा कीजिये। इस संबंध में सरकार द्वारा हाल ही में किये गए उपायों का उल्लेख कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the necessity and challenges of a low-carbon transport system in Indian cities. Mention the recent measures taken by the government in this regard. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this ma

भारतीय शहरों में अधिकांश प्रदूषक (PM, CO_2) का मुख्य स्रोत ट्रांसपोर्ट सेक्टर ही है ऐसे में शहरों को ग्रीन हाउस बनने से रोकने के लिए न्यून कार्बन परिवहन प्रणाली की आवश्यकता है।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर की प्रदूषण में भूमिका

CO_2 उत्सर्जन

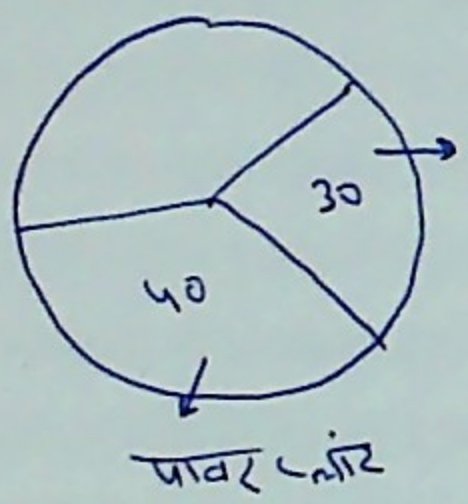

ट्रांसपोर्ट

PM पार्टिकल

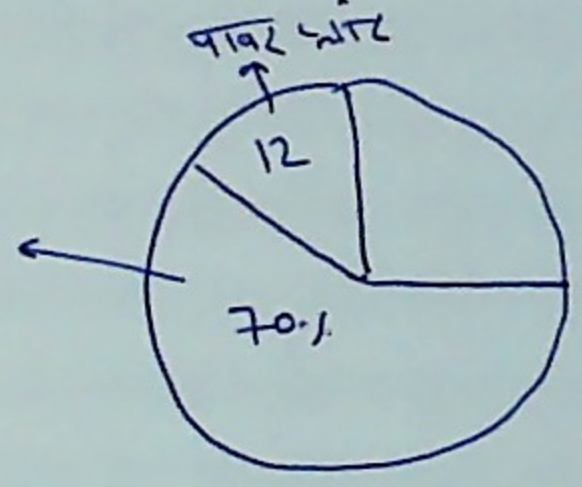

आवश्यकता

→ शहरों में लगातार बढ़ रहा प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

→ प्रदूषण के कारण कार्यक्षमता में कमी, GDP को प्रभावित करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ लगातार बढ़ता शहरीकरण, इससे नगरीय उष्मा द्वीप की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

→ पेरिस सम्मेलन के INDC की प्राप्ति के लिए

→ सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए।

इसके अतिरिक्त वाहनों से उत्सर्जित NO_2, SO_2 ~~अम्लीय~~ अम्लीय वर्षा तथा ओजोन प्रदूषण का कारण बन रहे हैं।

चुनौतियाँ

→ पर्याप्त मात्रा में तकनीकी नहीं :- सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास के बावजूद वहनीय तकनीकी का अभाव है। लीथियम के रूप में कच्चे माल की कमी।

→ अवसंरचनात्मक ढाँचा :- ई-वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, CNG वाहनों के लिए CNG स्टेशन की कमी।

→ नीतिगत अस्पष्टता :- सरकार द्वारा एक और ई-वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं अधिक लागत इसे वहनीय नहीं बनाती।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this ma...)

→ जन जागरूकता :- जनता के मध्य ई-वाहनों के प्रति जागरूकता का अभाव।

सरकार के प्रयास

(1) FAME योजना - इसके द्वितीय चरण के अन्तर्गत 10 हजार करोड़ के प्रोत्साहन द्वारा लागत कम करने तथा मांग उत्पन्न करने का लक्ष्य रखा गया है।

(2) ई-वाहनों पर GST कम करना - सरकार द्वारा ई-वाहनों पर GST 18% से कम करके 5% करना

(3) सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना

(4) जैव ईंधन तथा एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा

(5) LNG का प्रयोग

इस प्रकार स्पष्ट है कि भविष्य के वहनीय एवं सतत परिवहन का आधार न्यून कार्बन परिवहन प्रणाली में है, अतः इस दिशा में शोध एवं अनुसंधान की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. वित्तीय दायित्व और बजट प्रबंधन (एफ.आर.बी.एम.) अधिनियम के क्रियान्वयन से भारतीय अर्थव्यवस्था में केवल शाब्दिक रूप से राजकोषीय सावधानी देखने को मिली, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं हुआ। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Enactment of Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act has brought the Indian economy on the path of fiscal prudence only in letter but not in spirit. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सरकार के बढ़ते राजकोषीय घाटे को कम करने के लिए संसद द्वारा वित्तीय दायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम लागू किया गया।

उद्देश्य

→ राजकोषीय घाटे को कम करते हुये 3% से कम करना।

→ ~~राज~~ राजस्व घाटे को शून्य करना।

→ राज्यों की वित्तीय स्थिति में सुधार करना।

अधिनियम की प्रभाविता

→ इस अधिनियम के द्वारा राजस्व घाटे के शून्य का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है।

→ राजकोषीय घाटे को कम करते हुये वर्तमान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this ma[rgin])

में 3.3% - 3.2% के दायरे में लाया गया है, जो एक सफलता है।

एस्केप क्लॉज एवं N.K. Singh पैनल :-

→ चूँकि निजी क्षेत्र द्वारा कम निवेश किये जाने के कारण राजकोषीय घाटे की स्थिति अभी भी लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। इस स्थिति में सरकार यदि लक्ष्य प्राप्ति पर बल देगी तो सामाजिक निवेश में कमी होगी।

इसी स्थिति को देखते हुये 0.5% का एस्केप क्लॉज का प्रावधान किया गया है।

FRBM एक्ट की असफलता :-

→ राज्यों की वित्तीय स्थिति लगातार निम्न बनी हुई है।

→ राजकोषीय घाटे के लक्ष्य की प्राप्ति की प्रतिबद्धता सरकार को सार्वजनिक निवेश कम करने के लिए बाध्य करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सारांशतः स्पष्ट है कि FRBM एक्ट अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में आंशिक रूप से सफल रहा है तथा सरकार द्वारा 2022 तक 3% घाटे के लक्ष्य की प्राप्ति के प्रयास लगातार जारी है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. वामपंथी अतिवाद (एल.डब्ल्यू.ई.) राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिये एक बड़ा संकट बना हुआ है। सुस्पष्ट कीजिये। साथ ही इस मुद्दे के समाधान हेतु सरकार द्वारा किये गए विभिन्न उपायों की भी विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Left-Wing Extremism (LWE) remains a major threat to the internal security of the country. Elucidate. Also, discuss various measures taken by the government for addressing this issue. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये। (Candidate must ... write on this ma...

वामपंथी उग्रवाद एक विचारधारा आधारित आन्दोलन है। जो संविधान एवं विधि के शासन की अवहेलना करते हुये कानून व्यवस्था के लिए चुनौती पेश करता है।

LWE का प्रभाव

→ हाल ही में जारी रिपोर्ट (गृह मंत्रालय) के अनुसार LWE वर्तमान में 90 जिलों में फैला हुआ है तथा 8 नवीन जिले इसमें सम्मिलित हुये है।

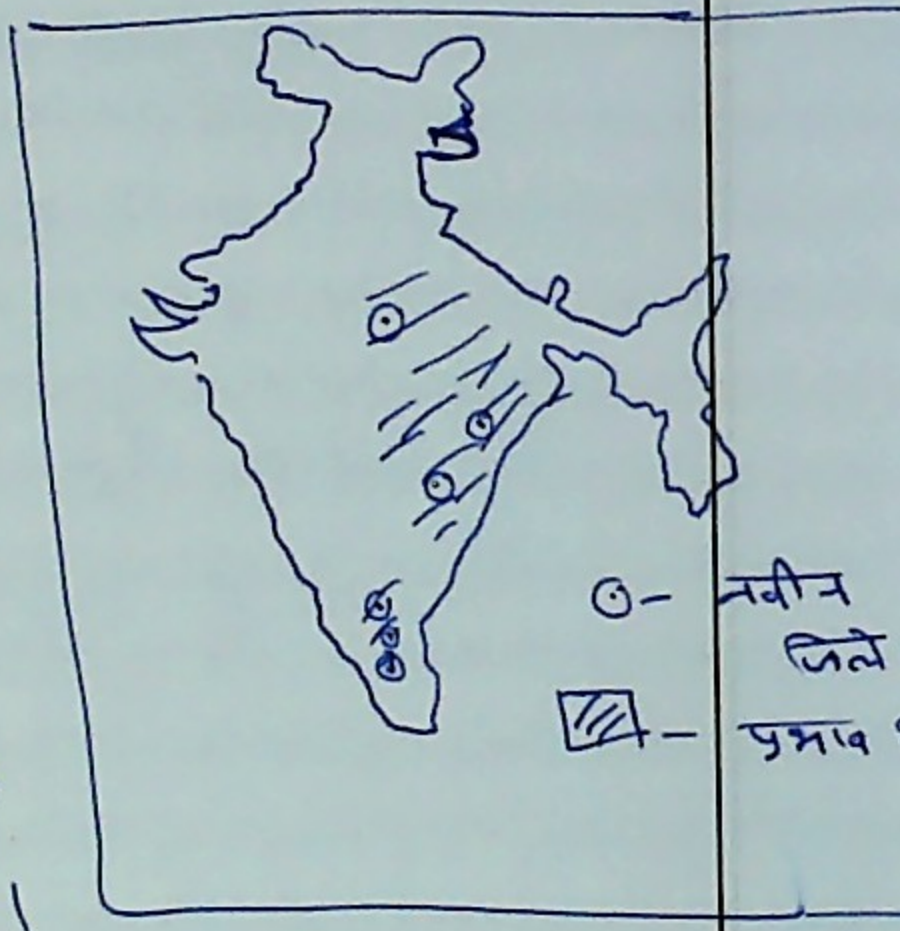

→ दक्षिण भारत की ओर LWE का प्रसार एक चिंता का विषय है

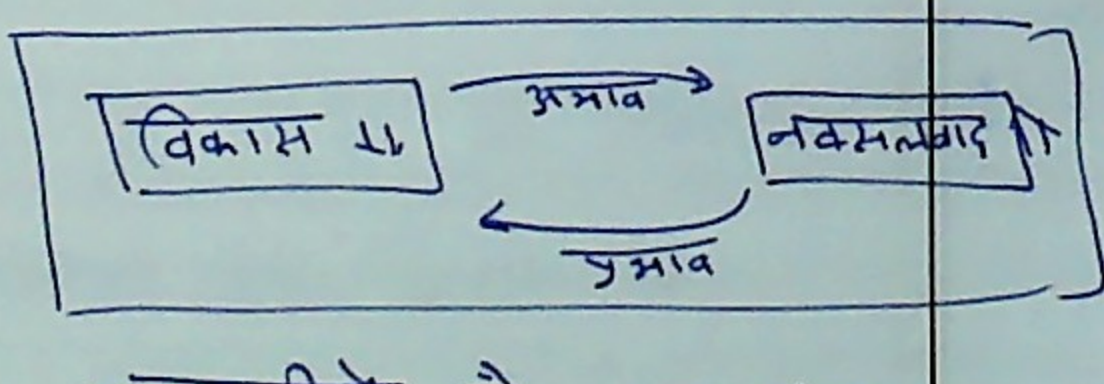

LWE की निरन्तरता के कारण

(1) भूमि संबंधी कारण :- जनजातीयों को जल, जंगल, जमीन पर अधिकार प्रदान नहीं करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) प्रशासनिक अक्षमता → प्रशासन द्वारा जनजातियों के शोषण को नहीं रोक पाना। इनका पुनर्वास।

(iii) आजीविका संबंधी - रोजगार के पर्याप्त साधन नहीं

(iv) संकट की निरन्तरता का एक कारण जनजातियों में व्याप्त अशिक्षा तथा जागरूकता का अभाव है।

(v) Local Intelligence का अभाव।

सरकार के प्रयास

सरकार द्वारा विकासात्मक तथा रक्षात्मक दोनों स्तरों पर प्रयास किये जा रहे हैं

(1) विकासात्मक

- सड़क आवश्यकता योजना के द्वारा कनेक्टीविटी
- मोबाइल टावर योजना के द्वारा डिजिटल कनेक्टीविटी
- शिक्षा - स्वास्थ्य अवसंरचना का विकास
- कौशल विकास हेतु रोशनी योजना।
- अधिकार प्रदान करना।
  - FRA, 2006
  - PESA, 1996

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② रक्षात्मक

→ बस्तरिया बटालियन, ऑपरेशन ग्रे हाउण्ड के द्वारा।

→ सैन्य बलों का आधुनिकीकरण।

→ आत्म समर्पण

→ लोकल इंटेलीजेंस

→ SAMADHAN

हाल ही के वर्षों में सरकारी ~~सरकार~~ योजनाओं का लाभ दिखाई पड़ रहा है। आत्मसमर्पण करने की दर में 411% की वृद्धि हुई है, जबकि घटनाओं में 13% की कमी आई है। अतः सरकार को दोनो स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. भारतीय रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण कई संकटों का हल प्रदान कर सकता है। हालाँकि राह उतनी आसान नहीं है जितनी प्रतीत होती है। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Indigenising the Indian defence sector can address multiple woes, however road is not as easy as it seems. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत विश्व का सर्वाधिक सैन्य आयात करने वाला राष्ट्र है। ऐसे में रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण आयात निर्भरता में कमी तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

रक्षा क्षेत्र के स्वदेशीकरण के लाभ

→ आयात निर्भरता में कमी - बजट का एक बड़ा भाग इस पर खर्च होता है, जिसका उपयोग सामाजिक निवेश पर किया जा सकता है।

→ राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा - विदेशी आयातित उपकरणों की जानकारी निर्यात करने वाले राष्ट्र के पास होती है। साथ ही हाल ही में स्कोपीन पनडुब्बी का डाटा लीक होने जैसी घटनाएं कम होंगी।

→ रोजगार - रक्षा क्षेत्र के विकास से भारत में अधिक मात्रा में रोजगार पैदा किये जा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

सकते है।

→ विदेशी मुद्रा की प्राप्ति - निर्यात के द्वारा विदेशी मुद्रा की प्राप्ति भी संभव है।

→ स्थानीय समस्याओं के अनुरूप तकनीकी विकास

भारत के विस्तृत एवं विविधीकृत भौगोलिक क्षेत्रफल के लिए विदेशी उपकरण सहज नहीं है।

चुनौतियाँ -

(1) शोध व अनुसंधान पर बेहद कम खर्च करना।

देश	इजराइल	USA	China	India
% GDP खर्च	4.3%	2.8%	2.2%	0.8%

(2) तकनीकी पर विदेशी निर्भरता।

(3) निजी क्षेत्र की भूमिका का कम होना।

(4) पर्याप्त अवसंरचनात्मक ढाँचे का अभाव।

(5) कुशल एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन नहीं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ [illegible]

→ पेटेंट संबंधी विवाद।

आगे की राह

→ रक्षा क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दिया जाये।

→ स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाये। इसके लिए इंडस्ट्री - यूनीवर्सिटी लिंकेज की व्यवस्था।

→ ब्रेन ड्रेन को रोकने के लिए पर्याप्त फैलोशिप

किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा उसके सैन्य बलों पर निर्भर करती है। अतः आवश्यक है कि रक्षा क्षेत्र का स्वदेशीकरण किया जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारत में विधिक तथा संस्थागत तंत्र मौजूद होने के बावजूद नीति निर्माताओं के लिये आपदा प्रबंधन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite legal and institutional mechanisms in place, disaster management continues to pose a daunting challenge for policymakers in India. Critically evaluate. (250 words) 15

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

आपदा प्रबंधन से तात्पर्य शमन, तैयारी, अनुक्रिया तथा राहत को ~~समग्रता पूर्वक~~ एकीकृत करते हुये जोखिम प्रत्यास्थता का विकास करना है।

भारत में विधिक तंत्र

(1) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005

(2) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति, 2009

(3) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना, 2016

(4) सेंडाई फ्रेमवर्क

संस्थागत तंत्र

(1) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(2) राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(3) जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(4) आपदा राहत प्रभाग (गृह मंत्रालय)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

चुनौतियाँ

→ NDMA द्वारा लागू की गई अधिकांश योजनाएं अभी विकासशील है अथवा अपूर्ण है।

→ NDRF में 27% पद रिक्त है।

→ NDMA के तहत 3 महीने में बैठक का प्रावधान है किन्तु यह लागू नहीं हो पा रहा है।

→ कुशल मानव संसाधन एवं तकनीकी का अभाव।

→ जनता के स्तर पर प्रशिक्षण का अभाव

→ स्थानीय परम्परागत ज्ञान का उपयोग नहीं करना।

→ आपदाओं की नवीन प्रवृत्तियाँ।

Ex. फनि चक्रवात मानसून पूर्व

आगे की राह

आपदा प्रबंधन एवं जोखिम न्यूनीकरण में सभी हितधारकों - सरकार, संगठन तथा समुदाय के मध्य समन्वय आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

रणनीति

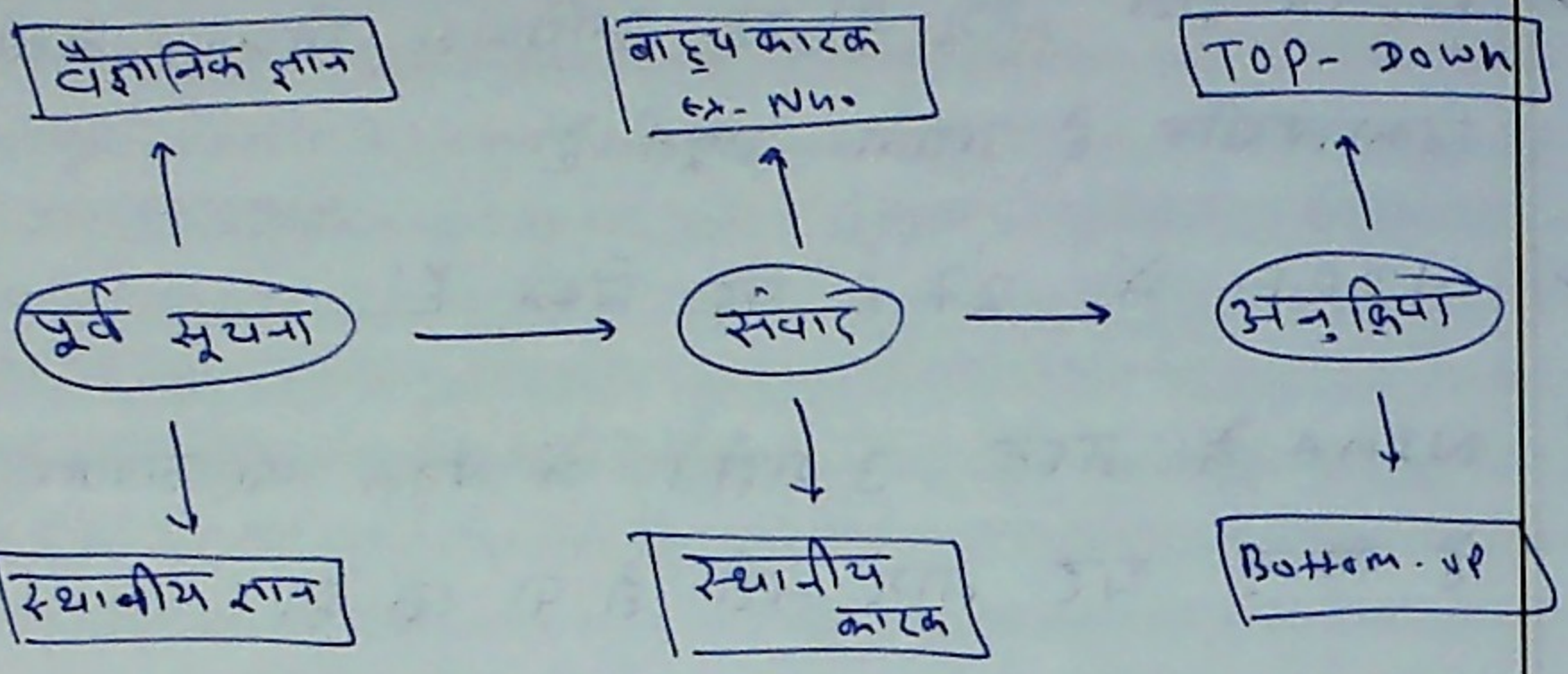

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate m
write on this

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation